

# Of Studies

---

## Textual Activities

**Choose the correct option :**

**Question 1. What are studies for ?**

- (a) for getting intellectual and literary pleasure
- (b) for making academic discussions more interesting and useful
- (c) for developing vocational and professional skills
- (d) all of these

**Answer:** (d) all of these

**Question 2. What can the expert men do with studies?**

- (a) They can execute
- (b) They can judge
- (c) They can do both (a) and (b)
- (d) They can do none of these

**Answer:** (c) They can do both (a) and (b)

**Answer the following questions in 15-20 words each:**

**Question 1. What are the three benefits of studies?**

**अध्ययन के तीन फायदे क्या हैं?**

**Answer:** The three benefits of studies are to delight, to ornament a language and to develop the ability.

अध्ययन के तीन फायदे हैं कि वह आनन्द प्रदान करता है, भाषा में अलंकारिकता लाता है और योग्यता का विकास करता है।

**Question 2. What are the three evils of excess-studies?**

**अत्यधिक पढ़ने की तीन बुराइयाँ क्या हैं?**

**Answer:** The excess study makes a man lazy, unnatural and third is to make a scholar humorous.

अत्यधिक अध्ययन आदमी को सुस्त, अप्राकृतिक और तीसरा किसी विद्वान का मजाक करने वाला बना देता है।

**Question 3. What does mathematics do for men?**

**लोगों के लिए गणित का क्या कार्य है?**

**Answer:** Mathematics makes a man's wit subtle and attentive.

गणित एक आदमी को चतुराईभरा और ध्यान देने वाला बनाती है।

**Question 4. How can a man become "an exact man"?**

**आदमी 'एक सटीक आदमी' कैसे बन सकता है?**

**Answer:** A man can become an exact man' if he uses the study in his real life. When he can express his thoughts in writing.

एक आदमी 'एक उचित आदमी' बन सकता है यदि जो कुछ उसने पढ़ा है वह उसे वास्तविक जीवन में उपयोग करे। जब वह अपने विचारों को लेखन में प्रस्तुत कर सके।

**Question 5. How do studies help a lawyer?**

**अध्ययन किसी वकील की सहायता कैसे करता है?**

**Answer:** Studies helps a lawyer to prove a thing and illustrate the other matter. अध्ययन किसी वकील की सहायता किसी वस्तु को साबित करने में और दूसरे को उदाहरण सहित बताने में करता है।

**Answer the following questions in 30-40 words each :**

**Question 1. How, according to the essayist, does reading help a man?**

**निबन्धकार के अनुसार अध्ययन एक आदमी की कैसे सहायता करता है?**

**Answer:** According to the essayist reading helps a man to be a complete man. Study makes the character of a man. The study can enable a man to distinguish and differentiate with the help of his wit. A man can become witty only when it uses study in his real life.

निबन्धकार के अनुसार अध्ययन आदमी को पूर्ण आदमी बनाने में सहायता करता है। अध्ययन एक आदमी का चरित्र बनाता है। अध्ययन एक आदमी को इस योग्य बनाता है कि वह अपनी बुद्धि की सहायता से भेद

और भिन्नता कर सके। कोई आदमी बुद्धिमान तभी बनता है जब वह अपने अध्ययन को वास्तविक जीवन में उपयोग करे।

**Question 2. How does a man become a “ready man”?**

**व्यक्ति एक तैयार व्यक्ति” किस प्रकार से बनता है?**

**Answer:** According to Bacon a man becomes a ready man when he has studied a matter completely and is ready to discuss it with others.

बेकन के अनुसार व्यक्ति तैयार व्यक्ति तब बनता है जब वह किसी सामग्री का अध्ययन पूर्णतया कर लेता है और फिर वह इसे दूसरों के साथ विचार विमर्श हेतु स्वयं को तैयार कर लेता है।

**Question 3. When do studies become an undesirable thing?**

**अध्ययन एक अवांछनीय वस्तु कब बन जाता है?**

**Answer:** Studies become an undesirable thing when it makes a man lazy. When a man makes judgement on the basis of his study and strictly according to the book without any use of wisdom. It makes the humour of the study.

अध्ययन एक अवांछनीय वस्तु तब बन जाता है जब यह उसे सुस्त बना दे। जब किसी व्यक्ति को कोई निर्णय करना हो और वह अपनी पढ़ाई के अनुसार केवल पुस्तक के अनुसार निर्णय करे और बुद्धि का उपयोग नहीं करे, तो वह अध्ययन का मजाक बना देता है।

**Question 4. What does the essayist mean by “distilled books”?**

**निबन्धकार के अनुसार ‘शोधित पुस्तकों का क्या आशय है?**

**Answer:** The essayist means by ‘distilled books’ that these are the books that are written after great research. These books bring the best among them. These are like the distilled water that is taken after great work.

निबन्धकार के अनुसार शोधित पुस्तकें वे पुस्तकें हैं जो कि गहन शोध के पश्चात् लिखी जाती हैं। यह पुस्तकें अपने आप में श्रेष्ठ लेकर आती हैं। यह शोधित पानी की भांति होती हैं जो कि महान कार्य के पश्चात् लिया जाता है।

**Answer the following questions in about 150 words each :**

**Question 1. Explain with suitable examples the following extract from the essay :  
Some books are to be tasted, others to be swallowed, and some few to be chewed and digested.**

निबन्ध के निम्न उद्धरण को उचित उदाहरणों द्वारा विस्तार से बताएँ : कुछ पुस्तकें चखे जाने के लिए हैं, कुछ निगले जाने के लिए हैं और कुछ चबाए और पचाए जाने के लिये होती हैं।

**Answer:** The writer tells that there are different types of books. Among these books there are some books that can be studied just for the sake of pleasure. These books are read in the similar manner, that we taste a thing. Tasting does not include the complete food. We tell about the nature, kind of the material. The writer talks about the books that are to be swallowed. These books are gulped. One does not read these books thoroughly. We can take the books that are used as reference material. Such books are referred, quoted for some particular cause.

In the last category the writer tells about the books which are to be 'chewed and digested'. He talks of those are to be read thoroughly. These books have great importance. Every line or word of a particular book should be, need be gone through properly and deeply. The word digested means that the man should use the teachings given into the book, these should be followed by him in every manner. These give light to the character of the man. They can guide him in any problem. These books are the real friend of the man. So the last type of books are rare and those should be used and read only.

लेखक यह बताता है कि कई प्रकार की किताबें हैं। इन पुस्तकों में कुछ पुस्तकें इस प्रकार की हैं जिन्हें केवल आनन्द के लिए पढ़ा जाता है। इन पुस्तकों में से कुछ पुस्तकें इसी प्रकार की होती हैं जैसे कि हम किसी वस्तु को चखते हैं। चखना पूर्ण भोजन में शामिल नहीं है। हम उस पदार्थ की प्रकृति और प्रकार के बारे में बता सकते हैं। लेखक उन पुस्तकों की बात करता है जो कि निगली जाती हैं। यह पुस्तकें केवल निगलने अर्थात् कोई इन्हें पूर्णतः नहीं पढ़ता है। हम उन पुस्तकों को ले सकते हैं जो कि संदर्भ साहित्य के रूप में उपयोग में ली जाती हैं। इन पुस्तकों को सन्दर्भ के रूप में, उद्धरण के रूप में विशेषतः प्रयोग में लाया जाता है।

अन्तिम वर्ग में लेखक बताता है कि पुस्तकें जिन्हें चबाया और पचाया जाता है। वह उन पुस्तकों की बातें करता है। जिन्हें पूर्णतः पढ़ा जा सकता है। इन पुस्तकों में महान महत्ता है। प्रत्येक पंक्ति और शब्द का विशेष उपयोग है। इन्हें उचित एवं गहराई से पढ़ने की आवश्यकता है। 'पचाने' शब्द का तात्पर्य कि पुस्तक में दी गई शिक्षाओं का उपयोग किया जाना है। इन पुस्तकों का हर तरीके से अनुसरण किया जाना चाहिए। ये पुस्तकें व्यक्ति के चरित्र को रोशनी प्रदान करती हैं। वे उसे किसी भी समस्या में मार्गदर्शन देती हैं। ये पुस्तकें व्यक्ति की वास्तविक दोस्त होती हैं। इसलिए अन्तिम प्रकार की पुस्तकें दुर्लभ होती हैं और उनको पढ़ना और उपयोग में लेना चाहिए।

**Question 2. Explain with suitable examples the following extract from the essay :**  
**Reading maketh a full man; conference a ready man; and writing an exact man.**

निबन्ध में से निम्न उद्धरण की उचित उदाहरणों सहित व्याख्या कीजिए : अध्ययन आदमी में पूर्णता लाती है, बातचीत उसे तत्पर व्यक्ति बनाती है और लेखन उसे सटीक व्यक्ति बनाता है।

**Answer:** The essayist tells here that reading makes a man complete. Complete means

full of all virtues. Aristotle says, "Virtue is knowledge". Reading makes a man competent enough to do a work with perfectness. It includes the characteristics in all the senses i.e. mental, physical and all round development of a man. The essayist means the word 'conference' which is somewhat related to the expression. A person has the power to speak with a good command over language. Conference empowers him to have the ability to collect the learnt material at one place and impart it to others.

Thus readiness comes when we want to perform an action with all the perfectness. It also includes discussion among fellows. Discussion strengthens knowledge or the material studied. Writing is also a way of expression. Writing includes the accumulation of reading material, ornamental language and the ideals and ideas acquired with the experience. Experience gives a man the power to understand a situation and let the others know about it. Thus writing inculcates all the things a perfect personality wants.

निबन्धकार यहाँ यह कहना चाहता है कि अध्ययन एक पूर्ण आदमी बनाता है। पूर्ण का तात्पर्य है गुणों से भरपूर। अरस्तू कहता है कि "गुण ही ज्ञान है"। अध्ययन एक आदमी को पर्याप्त सक्षम बनाता है कि वह किसी कार्य को पूर्णता के साथ करे। यह सभी तत्त्वों की विशेषताओं को शामिल करता है अर्थात् मानसिक, शारीरिक आदि और व्यक्ति का सर्वांगीण विकास। निबन्धकार को वार्तालाप से तात्पर्य उस व्याख्या से है जो कुछ व्यक्ति/व्याख्या से सम्बन्धित है। भाषा पर पूर्णता के साथ बोलना/वार्तालाप व्यक्ति को शक्तिवान बनाता है कि सीखा हुआ ज्ञान योग्यता के साथ इकट्ठा किया जाए और उसे दूसरों को दिया जाए। तत्परता उस समय आती है जब कोई पूर्णता के साथ कार्य करता है।

यह उस वाद विवाद, चर्चा को भी हासिल करता है जो साथियों में होती है। चर्चा सीखे हुए ज्ञान अथवा अध्ययन की हुई सामग्री को मजबूत करती है। लेखन को व्यक्त करने का एक तरीका है। पढ़े हुए ज्ञान को इकट्ठा करना, अलंकारिक भाषा का प्रयोग और आदर्श व प्राप्त विचारों को अनुभव से प्राप्त करना। अनुभव व्यक्ति को परिस्थिति को समझने की शक्ति देता है और इसे दूसरों को प्रदान करने की ताकत। इस प्रकार से लेखन पूर्ण व्यक्तित्व को प्राप्त होने वाली सभी चीजों को समाहित करता है।

## Additional Questions

**Answer the following questions in 60 words each :**

**Question 1. What should a man with unstable wit study and why ?**

**अस्थिर बुद्धि वाले व्यक्ति को किसका अध्ययन करना चाहिए और क्यों?**

**Answer:** A man with unstable wit should study mathematics. When a man solves mathematics sums or puzzles, he needs to be concentrated on the particular thing. When one repeats in again and again, he has to concentrate on the particular thing otherwise he cannot reach to a correct final solution. That is why the essayist suggests him to study mathematics.

अस्थिर बुद्धि वाले व्यक्ति को गणित का अध्ययन करना चाहिए। जब एक आदमी गणित के सवाल या समस्याओं को हल करता है, उसे अपना ध्यान उस विशेष वस्तु पर केन्द्रित करने की आवश्यकता होती है। जब कोई इसे बार-बार दोहराता है तब उसे किसी विशेष वस्तु पर ध्यान केन्द्रित करना पड़ता है अन्यथा वह अन्तिम सही हल तक नहीं पहुँच सकता है। इस प्रकार से निबन्ध लेखक उसे गणित पढ़ने की सलाह देता है।

**Question 2. According to the essayist what are the benefits of walking ?**

**निबन्ध लेखक के अनुसार पैदल चलने के क्या फायदे हैं?**

**Answer:** It is a well-known proverb that a healthy mind lives in a healthy body. One has to keep oneself in a good health. Walking is a kind of exercise. Morning walk and evening walk both are beneficial to our health. Walking keeps our stomach fit. Stomach is linked to mind and thus we can live in a good health. Walking includes a lot of exercises so the writer suggests to keep walking every day.

यह एक प्रसिद्ध कहावत है कि स्वस्थ मस्तिष्क का निवास स्वस्थ शरीर में ही होता है। अपने आपको अच्छे स्वास्थ्य में रखना चाहिए। पैदल चलना एक प्रकार का व्यायाम है। प्रातः और सायं का भ्रमण हमारे स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद हैं। पैदल चलना हमारे पेट को ठीक रखता है। पेट का सम्बन्ध मन से है और हम एक अच्छे स्वास्थ्य में अपने आपको रख सकते हैं। पैदल चलना बहुत से व्यायामों को शामिल करता है अतः लेखक हमें प्रतिदिन पैदल चलने का सुझाव देता है।

**Question 3. What does it show if a man writes little ?**

**यदि एक आदमी कम लिखता है तो यह क्या प्रदर्शित करता है?**

**Answer:** We write because we want to keep something in our memory. The essayist links writing to memory as well. There are a few persons who have great memory. In the opinion of the essayist writing makes one to be an exact man. Exact means perfections. So those persons who have sharp memory and perfectness do not require writing a note. It is not so at present, we have to write in order to have it as a proof.

हम लिखते हैं क्योंकि हम किसी को अपनी याददाश्त में रखना चाहते हैं। निबन्ध लेखक लिखने को याददाश्ती से जोड़ता है। बहुत कम लोग हैं जो बहुत याददाश्त रखते हैं। निबन्ध लेखक की राय में लिखना व्यक्ति को उचित व्यक्ति बनाता है। उचित का तात्पर्य पूर्णता से है। इसलिए वे व्यक्ति जिनकी याददाश्त तेज होती है और पूर्णता होती है उन्हें कोई टिप्पणी लिखने की आवश्यकता नहीं होती है। वर्तमान समय में ऐसा नहीं है, हमें इसलिए लिखना पड़ता है कि हम सबूत रख सकें।

**Question 4. What should be the purpose of study as said in the essay ?**

**निबन्ध में कहे अनुसार अध्ययन का उद्देश्य क्या होना चाहिए?**

**Answer:** There are many uses of studies as given in the essay. Study gives delight to the

reader. A careful study makes a man perfect. It combines all the qualities in him. One of the most important uses of study is to build character. It is rightly said that if one studies good books one can become a good man full of all characteristics. It empowers a man to consider on a particular thing and to test it.

निबन्ध के अनुसार अध्ययन के बहुत से उपयोग हैं। अध्ययन पाठक को आनन्द प्रदान करता है। सावधानीपूर्वक किया गया अध्ययन व्यक्ति को पूर्णता की ओर ले जाता है। यह उसमें समस्त गुणों को समाविष्ट कर देता है। अध्ययन का सबसे महत्वपूर्ण उपयोग व्यक्ति का चरित्र निर्माण करना है। यह सही कहा गया है। कि यदि कोई अच्छी पुस्तकें पढ़ता है तो वह सभी गुणों से परिपूर्ण एक अच्छा व्यक्ति बन सकता है। यह व्यक्ति को किसी वस्तु के बारे में सोचने और परखने की शक्ति प्रदान करता है।

**Answer the following questions in 80 words each :**

**Question 1. What are the different purposes of games as written by the essayist ?**

**निबन्ध लेखक ने खेलों के विभिन्न प्रकार से क्या उद्देश्य बताए हैं?**

**Answer:** The essayist has written different purposes of games to keep the body fit and healthy. He expresses that bowling is good for the stone and reins. Shooting or archery keeps our lungs and breast strong and healthy. In order to aim the archer has to stop his breath, this increases stamina and makes breast wide and strong. A gentle walk keeps stomach in healthy condition. It makes the intestines to work faster and smoother. Horse riding also makes a man strong. It improves decision power as well as removes mental diseases. In this way all the games are good for our body and mind.

निबन्ध लेखक ने शरीर को स्वस्थ और तन्दुरुस्त रखने हेतु खेलों के विभिन्न उद्देश्य बताए हैं। वह बतलाते हैं कि गेंदबाजी पथरी एवं दिल, गुर्दों के लिए अच्छी होती है। निशानेबाजी या तीरंदाजी हमारे फेफड़ों और सीने को मजबूत और स्वस्थ बनाती है। निशाना लगाने के लिए तीरंदाज को अपनी श्वास को रोकना पड़ता है, यह ताकत बढ़ाती है और सीने को चौड़ा और मजबूत बनाती है। साधारण पैदल चलने से हमारा पेट अच्छी स्थिति में रहेगा। इससे आँतें आराम से और शीघ्रता से कार्य करती हैं। घुड़सवारी भी आदमी को मजबूत बनाती है। यह निर्णय शक्ति को बढ़ाती है और मानसिक बीमारियों को दूर करती है। इस प्रकार से सारे खेल हमारे शरीर और मन के लिए अच्छे हैं।

**Question 2. Different subjects have different impacts on our mental and physical level, what are those ? Explain.**

**हमारे मानसिक और शारीरिक स्तर पर विभिन्न विषयों के विभिन्न प्रभाव होते हैं, वह क्या हैं? व्याख्या कीजिए।**

**Answer:** Every subject has its own importance and impact on human mind. It is said that history is one of the subjects that makes a man wise. One can act and understand a situation according to the situation studied earlier. Similarly the study of poetry makes one intelligent because one knows the use of language and selection of words in a

unique manner. The study of mathematics makes one to concentrate on a particular thing. It improves the power of concentration. The study of natural philosophy makes a man full of positive thoughts and creative. Moral education makes one think in a sincere, serious and logical manner. The study of rhetoric makes a man to criticise and dislike a thing. Thus the subjects impress one in a unique manner.

प्रत्येक विषय की अपनी महत्ता होती है और मानव मन पर उसका प्रभाव होता है। यह कहा जाता है। कि इतिहास एक ऐसा विषय है जो मानव को बुद्धिमान बनाता है। किसी के द्वारा पूर्व में किए गए अध्ययन के अनुसार परिस्थिति का अध्ययन कर उसे समझा और कार्य किया जाता है। इसी प्रकार से कविता का अध्ययन किसी को तीक्ष्ण बुद्धि बना सकता है क्योंकि कोई भाषा का विशिष्ट तरीके से उपयोग और शब्दों के चयन को समझता है। गणित का अध्ययन किसी का ध्यान केन्द्रित करता है। यह बुद्धि के केन्द्रीयकरण की ताकत को बढ़ाता है। प्राकृतिक दर्शन शास्त्र का अध्ययन रचनात्मक और सकारात्मक विचारों से मानव को पूर्ण करता है। नैतिक शिक्षा का अध्ययन व्यक्ति को गंभीरता, मित्रता और तार्किक रूप से सोचने की प्रेरणा देता है। अलंकार शास्त्र का अध्ययन व्यक्ति को समालोचना और किसी वस्तु के प्रति नापसन्दगी की ओर ले जाता है। इस प्रकार से विषय विशिष्ट तरीके से प्रभावित करते हैं।